

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	18	22.50
2.	अवबोध / अर्थग्रहण	23	28.75
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	28	35.00
4.	कौशल / मौलिकता	11	13.75
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत	सम्भावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक					
2.	अतिलघूत्तरात्मक	5	1	05	6.25	10 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक ।	2	1x2+1x3	05	6.25	20 मिनट
4.	लघूत्तरात्मक ।।	3	2x4+1x5	13	16.25	35 मिनट
5.	निबंधात्मक	8	5x7+2x6+1x10	57	71.25	105 मिनट
	योग	18		80	100	170 मिनट

विकल्प योजना आन्तरिक प्र.स.7,11,14 व 17

पुनरावलोकन10 मिनट.....
 पूर्व पठन 15 मिनट
 योग 195 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	इकाई	अंकभार	प्रतिशत
1.	अपठित गद्यांश	5	6.25%
2.	रचना-निबंध	10	12.50%
	पत्र, प्रार्थना पत्र	5	6.25%
3.	व्याकरण – मुहावरें, कहावतें	5	6.25%
4.	छन्द	5	6.25%
5.	पाठ्यपुस्तक अदबी सुगंध –गद्य	20	25%
	–पद्य	20	25%
	अज्ञो नाविल – उपन्यास	10	12.50%
9.		80	100%
10.			
11.			
12.			
13.			
14.			
15.			
16.			
17.			
18.			

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट
पूर्णांक :- 80

विषय :-सिन्धी साहित्य कक्षा- 12

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान			अवबोध			ज्ञानोपयोगी/अभिव्यक्ति			कौशल/मौलिकता			योग
		अति लघु	लघु	निबंध	अति लघु	लघु	निबंध	अति लघु	लघु	निबंध	अति लघु	लघु	निबंध	
		SAI	SA2		SAI	SA2		SAI	SA2		SAI	SA2		
1.	अपठित गद्यांश	1(1)	-	-	1(1)	-	-	2(2)	-	-	1(1)	-	-	5(6)
2.	रचना-निबंध	-	-	-	-	-	-	-	-	5(1)+	-	-	5(-)	10(1)
3.	पत्र, प्रार्थना पत्र	-	-	-	-	-	-	-	-	5(1)	-	-	-	5(1)
4.	व्याकरण - मुहावरें, कहावतें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5(1)
5.	छन्द	-	3(1)	-	-	2(1)	-	-	-	-	-	-	-	5(2)
6.	पाठ्यपुस्तक अदबी सुगंध - गद्य	-	-	4(1)	5(1)+	-	-	-	-	6(1)	-	-	-	20(3)
7.	- पद्य	-	-	-	-	4(1)	-	-	-	6(1)	-	-	-	20(4)
8.	अज्ञो नाविल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	10(1)
9.	योग	1(1)	3(1)	4(1)	10(2)	2(1)	9(2)	11(1)	26(4)	1(1)	2(2)	2(2)	11(2)	80(18)
10.	कुल योग		18(5)			23(5)		28(6)						80 (18)

विकल्पों की योजना :-

नोट :- कोष्ठक में बाहर में संख्या अंको की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

हस्ताक्षर

उच्च माध्यमिक परीक्षा - 2018

विषय : सिन्धी साहित्य

वक्तु : 3.15 घण्टे

दर्जो : बारहों (XII)

मार्कू : 80

हेठि डिनल टुकिरे खे ध्यान सां पढ़ी सुवालनि जा जवाब लिखो :

असांजे शरीर जो आधार मनु ई आहे । शरीर खे शक्ति बख्शींदड़ मनु ई आहे । उन्हीअ सां ई शरीर में शक्तिअ जो वाधारो थिए थो । मनु मलीन थियण ते शरीरु बि मलीनु थिए थो । रोगी मन वारो शरीर कडुहिं बि तंदुरुस्त रही कीन सघंदो । मन जे शुद्धता ते तन जी पवित्रता मदारु रखे थी । इन खे शरीर जो रचींदड़ चयो वियो आहे । जडुहिं मन में पवित्र वीचारनि जी धारा वहे थी, तडुहिं शरीर में पवित्रता जो संचारु थी वजे थो । इनकरे अंदर में बुरनि वीचारनि खे घिड़णु ई न डियो ।

1. मथिएं टुकिरे जो सुहिणो सरो लिखो । 1
2. असांजे शरीर जो आधारु छा आहे ? 1
3. मन जे शुद्धता ते कंहिं जी पवित्रता मदारु रखे थी ? 1
4. जिद लिखो- मलीन 1
5. शरीर में पवित्रता जो संचार कडुहिं थिए थो ? 1
6. कंहिं बि हिक विषय ते अटिकल 200 लफ़ज़नि में मज़मून लिखो : 10
 - (1) भारत में नोटबंदी जो असर ।
 - (2) मुल्क में वधंदड़ बेरोज़गारी ।
 - (3) सिन्धियत डींहं ।
 - (4) इन्टरनेट जी अहमियत ।
7. पहिंजे स्कूल जे प्रिंसीपाल खे स्कूल में पर्यावरण सुधारण ऐं वण पोखण लाइ दरख़्वास्त लिखो ।

या

5

पहिंजे दोस्त / साहेडीअ खे कंहिं बि हिक मेले जो बयान कन्दे ख़तु लिखो ।

8. हेठियनि मां किनि बि पंजनि इस्तलाहनि जी माना लिखी जुमिले में कम आणियो : 5
- (1) टोटा चबाइणु ।
 - (2) हथ पर हलाइणु ।
 - (3) दिल खटी थियणु ।
 - (4) कंधु कढाइणु ।
 - (5) जव ढेरी, गडुहु रखपाल ।
 - (6) पाण न पाले, कुत्ता धारे ।
 - (7) दाईअ खां पेटु गुझो नाहे ।
9. दोहे ऐं सोरठे में भेद बुधायो । 2
10. पंजकड़े जी वस्फ लिखी को बि हिकु पंजकड़ो लिखो । 3
11. हवालो समुझायो :
- “ए चारण ! बुधाइ त सहीं त तुंहिंजे चंग में छा आहे ? जंहिं मुंहिंजो मन उथारे फिटो कयो आहे ?”
- या 4
- “असीं पंहिंजीअ खुशीअ लाइ बिए जी खुशीअ खे दफनु त कोन कंदासीं ।”
12. हेठियनि मां किनि बि टिनि सुवालनि जा जवाब डियो : 3 X 2 = 6
- (1) जैरामदास बाबत लेखक कहिडी जाण डिनी आहे ?
 - (2) मुहम्मदराम केरु हो ?
 - (3) गोबिन्द माउ लेखिका खे अची छा चयो ?
 - (4) सुन्दर खे कहिडी गाल्हि ते फखुरु थियो ?
 - (5) अशोक खे कहिडी किनी आदत पइजी वेई हुई ?
13. हेठियनि मां किनि बि बिनि सुवालनि जा जवाब अटिकल 60 लफजनि में लिखो : 2 X 5 = 10
- (1) डाहरसेन स्मारक बाबत तव्हांखे कहिडी जाण आहे ?
 - (2) बाबू गुलाबराय किशना जी कहिडी मदद कई हुई ?
 - (3) कुदरत कहिडे कहिडे रूप में असांखे खिलाइणु चाहे थी ?

14. हवालो लिखी माना समुझायो :

सभेई सुहागिणयूं सभिनी मुंह जडाउ,
सभ कंहिं भांइयो पाण खे त ईदो मूं गरि राउ,
पेठो तनि राउ जो पसीं पाण लजाइयूं ।

या

4

सीर में बेड़ो अथव सहकार खे मांझी करियो,
पंहिंजी कश्तीअ खे किनारे सां लगाईदा हलो ।

15. हेठियनि मां के बि टे सुवाल लगभग 30 लफ़्जनि में लिखो :

3 X 2 = 6

- (1) हिन संसार में कँवल जे गुल वांगुरु केर रहनि था ?
- (2) 'सिन्धु सागर' कविता जो मुख्य उद्देश्य लिखो ।
- (3) गुलशन जी सुन्दरता केर आहिनि ?
- (4) भारत खे केर संवारीनि था ?
- (5) शादीअ खां पोइ कुसुम सां कहिड़ो हादसो थियो ?

16. कंहिं बि हिक जो सार लिखो :

5

- (1) सौदागर ।
- (2) सामीअ जा सलोक ।

17. मुख्तसिर में 'लीला चनेसर जो किस्सो' लिखी रूहानी राजु समुझायो ।

या

5

'वाझाए त डिंसु' कविता में हरि दिलगीर कहिड़ी जज़्बात ज़ाहिर कई आहे ?

18. के बि ब सुवाल करियो :

2 X 5 = 10

- (1) 'अझो' नाविल जी समालोचना ।
- (2) 'अझो' नाविल जे मुख्य किरदार जो चरित्र चित्रण ।
- (3) 'अझो' नाविल जो सार ।

उत्तर कुंजी

सिन्धी साहित्य

दर्जो : बारहों (XII)

प्र. सं.	संभावित उत्तर	अंक विभाजन	पुस्तक पृष्ठ सं.
1.	मनु	1	अपठित गद्यांश
2.	मनु	1	अपठित गद्यांश
3.	तन जी पवित्रता	1	अपठित गद्यांश
4.	शुद्ध	1	अपठित गद्यांश
5.	मन में पवित्र वीचारनि सां शरीर में शुद्धता थिए थी ।	1	अपठित गद्यांश
6.	मजमून : भाषा शैली- 2, पेशकश- 4, विषय वस्तु- 2, पछाड़ी- 2	10	निबंध मौलिकता
7.	ख़त या दरख़्वास्त : सरनामो- 2, पेशकश- 3	5	पत्र, प्रार्थना पत्र, मौलिकता
8.	इस्तलाह / पहाका : समुझाणी, जुमिलो ठाहिणु	5	सिन्धी व्याकरण- श्री गंगाराम ईसराणी
9.	दोहो / सोराठो : भेद- 2	2	नसुर पृ. 86 (अदबी सुगंध)
10.	पंजकिडे जी वस्फ- 1, पंजकिडे जो उदाहरण- 2	3	नसुर (अदबी सुगंध)
11.	नसुर मां हवालो : उनवान ते- 1, समुझाणी- 3	4	नसुर (अदबी सुगंध)
12.	नसुर मां नंढा सुवाल (हरहिक ते 3 मार्कू) कुल 3 सुवाल	6	नसुर (अदबी सुगंध)
13.	नसुर मां 2 वडा सुवाल (हरहिक ते 5 मार्कू)	10	नसुर (अदबी सुगंध)
14.	नज़्म मां हवालो : उनवान- 1, समुझाणी- 3	4	नज़्म (अदबी सुगंध)
15.	नज़्म मां 3 मुख़त्सर सुवाल (हरहिक ते 2 मार्कू)	6	नज़्म (अदबी सुगंध)
16.	कहिं बि हिक कविता जो सार : कविता जी समुझाणी- 3, भाषा शैली-2	5	नज़्म (अदबी सुगंध)
17.	लीला चनेसर जो किस्सो या कहाणी- 3, रूहानी राज़- 2		
	या	5	नज़्म (अदबी सुगंध)
	कविता जो भाव- 3, भाषा शैली- 2		
18.	'अझो' नाविल मां 2 सुवाल करिणा आहिनि : भाषा शैली- 2, नाविल जो मूल तत-3	10	'अझो' नाविल श्री हरी मोटवाणी

هاير سيڪنڊري امتحان - 2018

وشيہ : سنڌي ساهتيہ

مارڪون : 80

درجو : ٻارهون (XII)

وڪت : 3.15 ڪلاڪ

هيٺ ڏنڪ ٽڪري کي ڌيان سان پڙهي سوالن جا جواب لکو -

اسانجي شريهر جو آڌار من ٿي آهي. شريهر کي شڪتي بخشيندڙ من ٿي آهي. انهيءَ سان ئي شريهر ۾ شڪتيءَ جو واڌارو ٿئي ٿو. من ملين ٿيڻ تي شريهر به ملين ٿئي ٿو. روڳي من وارو شريهر ڪڏهن به تندرست رهي ڪين سگهندو. من جي شڏتا تي تن جي پويترتا مدار رکي ٿي. ان کي شريهر جو رچيندڙ چيو ويو آهي. جڏهن من ۾ پويترتا ويچارن جي ڌارا وهي ٿي، تڏهن شريهر به پويترتا جو سنچار ٿي وڃي ٿو. انڪري اندر ۾ ٻرن ويچارن کي گهڙڻ ئي نه ڏيو.

1. متئين ٽڪري جو سُهڻو سرو لکو. 1
 2. اسانجي شريهر جو آڌار ڇا آهي؟ 1
 3. من جي شڏتا تي ڪنهنجي پويترتا مدار رکي ٿي. 1
 4. ضد لکو- ملين 1
 5. شريهر ۾ پويترتا جو سنچار ڪڏهن ٿئي ٿو؟ 1
 6. ڪنهن به هڪ وشيہ تي اٽڪ 200 لفظن ۾ مضمون لکو - 10
- (1) ڀارت تي نوٽبنديءَ جو اثر
 - (2) مُلڪ ۾ وڌندڙ بيروزگاري
 - (3) سنڌيت ڏينهن
 - (4) انٽرنيٽ جي اهميت
7. پنهنجي اسڪول جي پرنسپال کي اسڪول ۾ پرياورڻ سڌارڻ ۽ وڻ پوکڻ لاءِ درخواست لکو. 5

يا

پنهنجي دوست / ساهيڙيءَ کي ڪنهن به هڪ ميلي جو بيان ڪندي خط لکو.

5 8. هيٺين مان ڪن به پنجن اصطلاحن جي معنيٰ لکي جملي ۾ ڪم آڻيو۔

(1) ٿوڻا چٻاڻڻ

(2) هٿ پير هلائڻ

(3) دل کٽي ٿيڻ

(4) ڪنڌ ڪڍائڻ

(5) جو ڏيري گڏهه رکڻ

(6) پاڻ نه پالي ڪتا ڌاري

(7) دائيءَ کان پيٽ ٻجهو ڪونهي

2 9. دوهي ۽ سورني ۾ پيد ٻڌايو.

3 10. پنڃڪڙي جي وڪ لکي ڪوبه هڪ پنڃڪڙو لکو.

11. حوالو سمجهايو۔

”اي چارن! ٻڌاءِ ته سهين ته تنهنجي چنگ ۾ ڇا آهي؟ جنهن منهنجو من اُتاري ڦٽو ڪيو آهي.“

4 يا

”اسين پنهنجي خوشيءَ لاءِ ٻئي جي خوشيءَ کي دفن نه ڪونه ڪندا سين.“

6=3X2 12. هيٺين مان ڪن به ٽن سوالن جا جواب اٽڪ 30 لڳن ۾ ڏيو۔

(1) جئرامداس بابت ليکڪ ڪهڙي ڄاڻ ڏني آهي؟

(2) محمد رام ڪير هو؟

(3) گوبند ماءُ ليکڪا کي اچي ڇا چيو؟

(4) سُندر کي ڪهڙي ڄاڻهه تي فڪر ٿيو؟

(5) اشوڪ کي ڪهڙي ڪني عادت پئجي ويئي هئي؟

10=5X2 13. هيٺين مان ڪن به ٻن سوالن جا جواب اٽڪ 60 لڳن ۾ لکو۔

(1) ڏاهر سين سمارڪ بابت اوهان کي ڪهڙي ڄاڻ آهي؟

(2) بابو گلابراءَ ڪشنا جي ڪهڙي مدد ڪئي هئي؟

(3) ڪدرت ڪهڙي ڪهڙي روپ ۾ اسان کي ڪلائڻ چاهي ٿي؟

14. حوالو لکي معنيٰ سمجھايو۔

”سيئي سهاڻڻيون سيني منهن جڙاءُ،
سڀ ڪنهن ڀانڻيو پاڻ کي، ته ايندو مون ڳر راءُ،
پينو تن راءُ، جو پسي پاڻ لڄايون.“

4

يا

”سير ۾ ٻيڙو اٿو سهڪار کي مانجهي ڪريو،
پنهنجي ڪشتيءَ کي ڪناري سان لڳائيندا هلو.“

6=3X2

15. هيٺين مان ڪي به ٽي سوال لڳ ڀڳ 30 لڳن ۾ لکو۔

(1) هن سنسار ۾ ڪنول جي گک وانگر ڪير رهن ٿا؟

(2) ’سندو ساگر‘ ڪويتا جو مکيه اديسيه لکو.

(3) گلشن جي سُندرنا ڪير آهن؟

(4) ڀارت کي ڪير سنوارين ٿا؟

(5) شاديءَ کان پوءِ ڪُسر سان ڪهڙو حادثو ٿيو؟

5

16. ڪنهن به هڪ جو سار لکو۔

(1) سوڌاگر

(2) ساميءَ جا سلوڪ

17. مختصر ۾ ’ليلا چنيسر‘ جو ڪصو لکي روحاني راز سمجھايو.

5

يا

’واجھائي ته ڏس‘ ڪويتا ۾ هر ڀي دلگير ڪهڙي جذبات ظاهر ڪئي آهي؟

10=5X2

18. ڪي به ٻه سوال ڪريو۔

(1) ’آجهو‘ ناول جي سمالوچنا.

(2) ’آجهو‘ ناول جي مکيه ڪردار جو چرित्र چترڻ.

(3) ’آجهو‘ ناول جو سار.